



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 23 मई, 2023

मेटा का यूरोपीय संघ गोपनीयता मामला: जुरमाना और डेटा हस्तांतरण परतबिंध

फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा पर [यूरोपीय संघ \(European Union- EU\)](#) द्वारा अपने गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने हेतु **1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर का जुरमाना** लगाया गया है। [आयरिश डेटा प्रोटेक्शन कमीशन \(DPC\)](#) द्वारा वर्ष 2018 में शुरू हुई दो जाँचों के बाद जुरमाना लगाया गया है। DPC ने पाया कि मेटा ने [सामान्य डेटा संरक्षण विनियमन \(General Data Protection Regulation- GDPR\)](#) का उल्लंघन किया था, जो यूरोपीय संघ का प्रमुख गोपनीयता कानून है जो उपयोगकर्ताओं को उनके व्यक्तिगत डेटा पर अधिक नियंत्रण प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त मेटा को यूरोपीय संघ से अमेरिका में [डेटा स्थानांतरित करने हेतु मानक संवदात्मक खंड \(Standard Contractual Clauses- SCC\)](#) का उपयोग बंद करने का आदेश दिया गया है। SCC ऐसे अनुबंध हैं जो सुनिश्चित करते हैं कि [कंपनियों सीमा पार डेटा स्थानांतरित करते समय यूरोपीय संघ के गोपनीयता मानकों](#) का पालन करें। मेटा को वर्ष 2020 से नवंबर 2023 तक अमेरिका में [स्थानांतरित और संग्रहीत किये गए यूरोपीय फेसबुक उपयोगकर्ताओं के डेटा को हटाने या स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है](#)। यह निर्णय संभावित रूप से यूरोप में मेटा की सेवाओं को बाधित कर सकता है एवं लाखों उपयोगकर्ताओं को प्रभावित कर सकता है।

और पढ़ें... [डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधियक, 2022](#)

INS सधिरतन

कलिंग-वर्ग की पनडुबबी [INS सधिरतन](#) रूस में एक महत्त्वपूर्ण उन्नयन के बाद सफलतापूर्वक मुंबई, भारत पहुँच गई है। [सधिरतन-वर्ग](#) से संबंधित [डीज़ल-इलेक्ट्रिक पनडुबबी INS सधिरतन](#) का एक समृद्ध इतिहास रहा है और इसने तीन दशकों से अधिक समय तक भारतीय नौसेना की सेवा की है। इसे वर्ष 1988 में कमीशन किया गया, यह अपने परिचालन जीवन और क्षमताओं को बढ़ाने के लिये कई उन्नयन एवं मरम्मत प्रक्रियाओं से गुज़रा है। विशेषतः वर्ष 2010 में इसे [क्लब-एस क्रूज़ मिसाइल प्रणाली \(Klub-S cruise missile system\)](#) से लैस किया गया था, जिससे इसकी मारक क्षमता बढ़ गई थी। वर्ष 2018 में इसने रूस में एक व्यापक [मीडियम रफिट लाइफ सर्टफिकेशन \(MRLC\) कार्यक्रम](#) चलाया, जिसमें महत्त्वपूर्ण प्रणालियों का प्रतिस्थापन शामिल था। [INS सधिरतन पश्चिमी नौसेना कमान की शक्ति और परिचालन तत्परता](#) को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने आधुनिक हथियार और सेंसर सूट के साथ यह पनडुबबी भारत की समुद्री क्षमताओं को मज़बूत करती है तथा [हृदि महासागर क्षेत्र](#) में देश के हितों और सुरक्षा सुनिश्चित करने में योगदान देती है। कलिंग-वर्ग की पनडुबबियों में **2,300 टन का वसिस्थापन, 300 मीटर की गहराई में गोता लगाने** और 18 समुद्री मील की तीव्र गति [क्षमता](#) है। [नौसेना](#) के पास सेवा में 16 पारंपरिक पनडुबबियाँ हैं। इनमें सात रूसी कलिंग-वर्ग की पनडुबबियाँ, चार जर्मन मूल की HDW पनडुबबियाँ और पाँच फ्राँसीसी स्कोर्पिन-श्रेणी की पनडुबबियाँ शामिल हैं।

और पढ़ें... [इंडोनेशिया पहुँची INS सधिरतन](#)

INSV तारिणी चालक दल ऐतिहासिक यात्रा के बाद स्वदेश लौटा

[INSV तारिणी](#) के चालक दल की **17000 एनएम लंबी** अंतर-महाद्वीपीय यात्रा समापन की ओर बढ़ रही है, जो महासागर नौकायन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। दो असाधारण महिला अधिकारियों सहित [छह सदस्यीय चालक दल](#) को सम्मानित करने हेतु 23 मई, 2023 को [भारतीय नौसेना जल कौशल प्रशिक्षण केंद्र \(INWTC\)](#), [INS मंडोवी](#), गोवा में एक भव्य 'फ्लैग इन' समारोह आयोजित किया जाएगा। [छह महिला नौसेना अधिकारियों](#) ने नाविक [सागर परिक्रमा](#) नौकायन अभियान के माध्यम से नौसेना और देश के अंदर [समुद्री नौकायन की लोकप्रियता](#) को बढ़ाया है। [INSV तारिणी](#) की वर्तमान यात्रा ने एक महिला को विश्व की एकल परिक्रमा पर भेजने के [नौसेना](#) के आगामी प्रयास की दृष्टि में एक महत्त्वपूर्ण कदम स्थापित किया है। [INSV तारिणी भारतीय नौसेना की दूसरी सेलबोट](#) है जिसका निर्माण गोवा में [एकवेरयिस शिपयार्ड](#) में किया गया था। इसे **18 फरवरी, 2017** को भारतीय नौसेना सेवा में नियुक्त किया गया था और ओडिशा में [तारा तारिणी मंदिर](#) के नाम पर इसका नामकरण किया गया था, जो प्राचीन ओडिशा के नाविकों और व्यापारियों के संरक्षक देवता हैं।

और पढ़ें... [ओडिशा में तारा तारिणी मंदिर](#)

भारत की प्रमुख झीलों के सूखने की प्रवृत्ति चिंता पैदा करती है

हाल ही में हुए नवीन शोध, वर्ष 1992 से 2020 तक भारत में 30 से अधिक बड़ी झीलों के सूखने की प्रवृत्तियों को दर्शाते हैं। इन झीलों में से 16 प्रमुख झीलों दक्षिण भारत में स्थित हैं, जिनमें मेट्टूर (तमिलनाडु), कृष्णराजसागर (कर्नाटक), नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश राज्य के गुंटूर ज़िले और तेलंगाना राज्य के नलगोंडा ज़िले के मध्य अवस्थिति) तथा इंदमालयार (केरल) आदि शामिल हैं। यह शोध बताता है कि हाल का सूखा दक्षिण भारत में जलाशयों की जलधारण क्षमता में गिरावट के लिये संभावित कारक हो सकता है। कुल वैश्विक भूमिक्षेत्र के 3% को कवर करने वाली झीलों, कार्बन साइकलिंग के माध्यम से जलवायु को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके महत्त्व के बावजूद झीलों को अक्सर अच्छी तरह से प्रबंधित नहीं किया जाता है और नदियों की तुलना में कम ध्यान दिया जाता है। उपग्रह अवलोकनों ने वैश्विक स्तर पर 90,000 वर्ग किलोमीटर स्थायी जल क्षेत्र की हानि दर्ज की है, कृति इस हानि के पीछे नहिति कारक स्पष्ट नहीं हैं। एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि विश्व की 53% सबसे बड़ी झीलों में जल की कमी हो रही है, जबकि 24% में वृद्धि हुई है। वैश्विक आबादी का लगभग 33% हिससा वृहत, सूखी झील वाले बेसिन में रहता है। आर्कटिक झीलों में शुष्कन की अधिक स्पष्ट प्रवृत्ति देखी गई है और यह सुझाव देता है कि जलवायु परिवर्तन, मानव जल की खपत के साथ इन परिवर्तनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रभावी झील प्रबंधन और विश्व भर में समाज एवं जल आपूर्ति को बनाए रखने में उनके महत्त्व को पहचानने के लिये झील के जल में आ रही गिरावट के कारकों, जैसे तापमान, वर्षा, अपवाह और मानव उपयोग को समझना आवश्यक है।

और पढ़ें... [भारत में झीलों](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-23-may,-2023>

